श्री सूत्रकृताङ्गसूत्र भाग ४ चौथे की विषयानुक्रमणिका

अनुक्रमांक	विषय	पृष्ठ
१	दूसरे श्रुतस्कंध की अवतरणिका	१–२
२	पुण्डरीक नामका प्रथम अध्ययनका निरूपण	३–१५२
३	क्रियास्थान नामके दूसरे अध्ययनका निरूपण	१५३–३४६
४	आहारपरिज्ञा नामके तीसरे अध्ययनका निरूपण	३४७–४३०
५	प्रत्याख्यान क्रिया का उपदेश नामके तीसरे अध्ययनकानिरूपण	४३१–४७३
६	आचारश्रुत नामक पांचवें अध्ययनका निरूपण	४७४–५५३
७	आर्द्रक कुमार के चरित वर्णनात्मक छट्ठे अध्ययनका निरूपण	५५४–६८६
	सातवां अध्ययन	
८	सातवें अध्ययन की विषयावतरणिका	६८७
९	राजगृह नगरका वर्णन	६८८–६९०
१०	लेप नामका गाथापतिका वर्णन	६९१–६९६
११	उदकपेढालपुत्रका आगमन एवं गौतमस्वामी के प्रति प्रत्याख्यान संबंध में शंका प्रदर्शन	६९७–७०५
१२	उदकपेढालपुत्रको गौतमस्वामीका उत्तर	७०६–७०९
१३	फिरसे गौतमस्वामी को उदकपेढालपुत्र का प्रश्न	७१०–७१४
१४	प्रतिज्ञाभंग के विषयमें फिरसे गौतम स्वामी का उत्तर—	७१५–७१६
१५	हिंसात्यागके बारेमें उदकपेढाल पुत्र एवं गौतमस्वमीके प्रश्नोत्तर	७१७–७२३
१६	गौतमस्वामीका दृष्टान्त सहित विशेष उपदेश	७२४–७४०
१७	गौतमस्वमीका देशविरति धर्म आदिका समर्थन	७४१–७७४
१८	उपसंहार	७७५–७८४

॥ समाप्त ॥